22 से 29 जून

आषाढ़ी नवरात्रि

काम सुन्दरी महाकाली दीक्षा

मार्कण्डेय पुराण के दुर्गा सप्तशती खण्ड के आठवें अध्याय के अनुसार भगवती काली की उत्पत्ति जगत जननी जगदम्बिका के ललाट से चैतल्स हुयी है। शास्त्रो व पुराणों में भगवती काली के मुख्य आठ स्वरूप **चिन्तामणि काली, स्पर्शमणि काली, सन्ततिप्रदा काली, सिद्धि काली, दक्षिण काली, कामकला काली, हंस काली** एवं **गुह्य काली** जगत में व्याप्त है। दस महाविद्याओं में प्रथम महाविद्या भगवती महाकाली ही परब्रह्म शिव की परमशक्ति, साक्षात् ब्रह्मस्वरूपा, योग निद्रा महामाया अनादि एवं अनन्ता हैं। ये ही महिष मर्दिनी और सर्व दुर्गति नाशिनी हैं। इनको ही चण्डी महाकाली स्वरूपा कहा गया है।

इस अखिल ब्रह्माण्ड की उत्पति के मूल में महाकाली अर्थात् शक्ति की ही क्रियाशीलता है। जिनकी सक्रियता व वात्सल में सम्पूर्ण ब्रह्माण्ड के समस्त देवी-देवता, ऋषि-मुनि, मनुष्य, जीव-जन्तु आदि वृद्धि की चेतना से आप्लावित होते हैं। शक्ति के द्वारा ही संसार में सृजन व वृद्धि संभव होता है। **शक्ति के द्वारा ही सद्बुद्धि, स्फूर्ति, दया, श्रेष्ठ सुस्थितियां, भौतिक-आध्यात्मिक विकास, सद्गुणो की वृद्धि** आदि होती है। मनुष्य जीवन शक्ति अभाव में दीन-हीन, रूग्ण, निर्बलता, क्लेश, दु:ख, पीड़ा, विषाद, दुर्गति और निराशा से दबता चला जाता है साथ ही उसके जीवन से सकारात्मक चेतना भी निस्तेज हो जाती है।

काम सुन्दरी महाकाली दीक्षा अपने आप में एक दुर्लभ व साधक को सतत् चेतनावान बनाने की क्रिया है, यह एक ऐसी दीक्षा है, जो साधक के आत्म तत्व को चैतन्य कर उसकी शक्ति को जाग्रत कर देती है, जिससे साधक अपने **भौतिक-आध्यात्मिक जीवन** की सभी समस्याओं पर विजय प्राप्त करने में **सक्षम** व **समर्थ** हो जाता है। उसके जीवन में **सौन्दर्य, रस, ओज, काम, आकर्षण** की पूर्ण चैतन्यता व्याप्त होती है और वह पूर्ण **समृद्धिमय, ऐश्वर्यमय धन लक्ष्मी** से युक्त होता है।

आषाढ़ी नवरात्रि की पूर्णता, **गुरू पूर्णिमा** का पावनतम अवसर और **श्रावण मास** के प्रारम्भ के विशिष्ट योग में शिव और शक्ति के सामंजस्य से श्रेष्ठ जीवन निर्माण करने हेतु पूज्य सद्गुरूदेव इस **आषाढ़ी नवरात्रि** पर **काम सुन्दरी महाकाली शक्तिपात दीक्षा** प्रदान करेगें। जिससे प्रत्येक साधक के जीवन में पूर्ण शक्ति का भाव व सुकर्म क्रिया में **विजय श्री** की प्राप्ति हो सकेगी।

कैलाश सिद्धाश्रम- 0291-2517025, 07568939648, 08769442398